तुगलक रोड क्रिसेंट के निवासियों द्वारा आयोजित फलदार वृक्ष पौधारोपण कार्यक्रम में संबोधन

- सर्वप्रथम आप सबको देश के स्वतंत्रता दिवस की 74वें वर्षगांठ की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। तुगलक रोड क्रिसेंट के निवासियों द्वारा आयोजित फलदार वृक्ष पौधारोपण कार्यक्रम में आकर मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है।

- हम जहां कहीं भी रहते हैं, जिस हवा में सांस लेते हैं, उस परिवेश को स्वच्छ और हरा-भरा रखने का दायित्व भी हमारा ही है।

- हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि हम अपने नगर को पर्यावरण अनुकूल बनाए रखें, हरित रखें ताकि हमें एक स्वस्थ वातावरण मिल सके।

- हमारे वन परमार्थ सेवा के प्रतीक हैं। वृक्षों से औषधियां प्राप्त होती हैं, जड़ी-बूटियां मिलती हैं, इनसे प्राकृतिक वातावरण रमणीक होता है। ये मानव के लिए उपयोगी होने के साथ साथ जीव जंतुओं के संरक्षण मे भी सहायक होते हैं।

- हमारी संस्कृति में वृक्षों तथा वनों की पूजा करने की परंपरा रही है। आदिकाल से ही हम वनों के महत्व से अवगत हैं। हमारे सभी धर्मग्रंथों की रचना आचार्यों द्वारा प्राकृतिक परिवेश में ही की गई थी।

- हमारा आयुर्वेद प्राकृतिक वनस्पति पर ही आधारित है। आज भी हम अपने दैनिक जीवन में वृक्षों की आराधना करते हैं, पूजन सामग्री के रूप में उपयोग करते हैं।

- अभी कुछ दिनों पहले संयुक्त राष्ट्र के क्लाइमेट चेंज पैनल की रिपोर्ट आई है जिसमें कहा गया है कि Global Warming की रफ्तार अभी भी तेजी से बढ़ रही है और अगले दो दशकों में पृथ्वी का औसत तापमान 1.5 डिग्री सेलसियस तक बढ़ जाने की संभावना है।

- यह पूरी मानवता के लिए एक भयावह स्थिति है। इतने कम समय में इस प्रकार से तापमान का बढ़ना पर्यावरण के लिए खतरनाक है जिससे कई प्रजातियों के अस्तित्व पर तत्काल संकट आ जाएगा।

- समुद्र तट पर स्थित नगर पानी के अंदर चले जाएंगे। इस भयावह स्थिति से बचने के लिए पृथ्वी के प्रत्येक वासी को अपने स्तर पर कार्य करना होगा, अपने दायित्वों का निर्वहन करना होगा।

- जिस प्रकार आपने अपने क्षेत्र में वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया है, इसी प्रकार के कार्यक्रम व्यापक स्तर पर देश के अलग हिस्सों में होने चाहिए।

- पर्यावरण को बचाने की जिम्मेदारी प्रत्येक व्यक्ति की है और यदि एक एक व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी निभाए तो छोटे स्तर से ही एक बड़े बदलाव की शुरुआत हो सकती है।

- हमें पर्यावरण की सुरक्षा का दायित्व सिर्फ सरकार पर नहीं छोडना है। सरकारें तो अपने स्तर पर कार्य कर ही रही हैं, परंतु इसमें सभी नागरिकों का सहयोग भी आवश्यक है।

- किसी भी अभियान की सफलता के लिए जनजागरूकता तथा जनभागीदारी अत्यन्त आवश्यक है। पर्यावरण संरक्षण के लिए नागरिकों के साथ साथ समाजसेवी संगठनों, विभिन्न लोकतान्त्रिक संस्थाओं तथा जनप्रतिनिधियों को सामूहिक रूप से व्यापक भागीदारी करनी होगी। इसके बिना पर्यावरण संरक्षण सफल नहीं हो सकता।

- हमें आपसी व्यवहार में भी या सामाजिक अवसरों पर भी प्रयास करना चाहिए कि हम किसी वस्तु के स्थान पर पौधों का उपहार दें। वृक्षारोपण द्वारा महत्वपूर्ण अवसरों को हम यादगार बना सकते हैं।

- मैं आपको हर्ष के साथ बताना चाहता हूं कि संसद भवन परिसर में भी समय-समय पर वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाए जाते हैं। इस अवसर पर सभी माननीय संसद सदस्य बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं तथा अपने हाथों से पौधारोपण करते हैं।

- मुझे प्रसन्नता है कि आज इस उद्यान में फल वाले पौधे लगाए जा रहे हैं। भविष्य में आज हम सबने इस उद्यान में अपने हाथों से जो पौधे लगाए हैं, वे भविष्य में छायादार वृक्ष बनेंगे, फल देंगे, हमारे शहर को और हरा भरा बनाएंगे तथा पर्यावरण की भी रक्षा करने में सहायक होंगे।

- अपने क्षेत्र की बेहतरी के लिए आप सब के द्वारा किए जा रहे सामूहिक प्रयासों की मैं सराहना करता हूं।

- आप सबको पुनः स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं।

  जय हिंद।